विश्व पर्यावरण दिवस 2015

UNEP

World Environment Day 2015
Seven Billion Dreams.
One Planet.
Consume with Care.
June 5

नगर निगम बरेली, बरेली कालेज बरेली एवं सिटी आर0 पी0 एम0 सी0 के संयुक्त तत्वाधान में

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2015

सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण के क्रियान्वयन की जागरूकता, जैव विविधता को संरक्षित रखने की महत्ता, पर्यावरण से सम्बन्धित समस्याओं को जानने तथा उनके लिए सुधारात्मक कार्यवाही की जागरूकता के लिए प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

यह वह दिवस है जिस दिन मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की शुरूआत हुई थी यह सम्मेलन स्वीडन की राजधानी स्टाकहोम में 5 जून से 16 जून 1972 तक आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन का आयोजन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा किया गया था। इस सम्मेलन में विश्व के 119 देशों ने भाग लिया था और पहली बार एक ही पृथ्वी का सिंद्वात मान्य हुआ। इसी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अन्य संस्था संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी) का जन्म हुआ तथा प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस आयोजित करके नागरिकों को प्रदूषण की समस्या से अवगत कराया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाते हुए राजनीतिक चेतना जागृत करना और आम जनता को प्रेरित करना था।

पहला विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 1973 में मनाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस को प्रत्येक वर्ष एक नये शहर में, एक नई थीम एवं एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रर्दशनी के साथ 5 जून सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को पर्यावरण दिवस के नाम से भी जाना जाता है यह पर्यावरण की चुनौती से निपटने के लिए है जिसमें जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, आपदाओं और संघर्ष, हानिकारक पदार्थ, पर्यावरण शासन, पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और संसाधन क्षमता भी सम्मिलित है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2015 की थीम **''सात अरब सपने, एक ग्रह, ध्यान के साथ उपयोग''** है।

पर्यावरण जागरूकता के लिए इस वर्ष प्रथम बार नगर निगम, बरेली द्वारा पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कालेज, बरेली एवं सिटी आर0पी0एम0सी0 के संयुक्त तत्वाधान में एक साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस को मनाया गया है। लगभग डेढ़ माह पूर्व दिनांक 27.04.2015 को नगर निगम के पर्यावरण अभियंता, श्री उत्तम कुमार वर्मा एवं श्री अविरल सक्सेना, पर्यावरण विशेषज्ञ/पब्लिक हैल्थ इन्जीनियर द्वारा बरेली कॉलेज के साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2015 को मनाने के लिए डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग व डा0 जसपाल सिंह, सहा0 प्रवक्ता, पर्यावरण विज्ञान विभाग से वार्ता की जिसमें विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग बरेली कालेज द्वारा नगर निगम के साथ मिलकर पर्यावरण दिवस मनाने पर सहमति व्यक्त की जिस क्रम में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में निम्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निम्नानसुार रूपरेखा तैयार की गई।

क्रम संख्या	**कार्यक्रम**	**दिनांक एवं समय**	**कार्यक्रम का शुभारम्भ**
1.	वृक्षारोपण कार्यक्रम	दिनांक 04 जून 2015 को सांय 5 बजे बरेली कॉलेज के परिसर	डा0 आई0एस0 तोमर, महापौर बरेली
2.	जनचेतना रैली कार्यक्रम	दिनांक 04 जून 2015 को सांय 5.30 बजे	श्री गौरव दयाल, जिलाधिकारी, बरेली
3.	निबन्ध/पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता	दिनांक 05 जून 2015 को प्रातः 7.30 बजे बरेली कालेज	डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली
4.	प्राकृतिक संसाधन एवं उसका संरक्षण पर कार्यशाला	दिनांक 05 जून 2015 को प्रातः 10.30 बजे बरेली कालेज के सभागार कक्ष	डा0 आर0 के0 सिंह, वैज्ञानिक, केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, डा0 भारती, वैज्ञानिक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली,डा0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कॉलेज, बरेली

- **वृक्षारोपण कार्यक्रम**—दिनांक 04 जून 2015 को सांय 5 बजे बरेली कॉलेज के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ डा0 आई0एस0 तोमर, महापौर बरेली द्वारा किया गया।

इसके साथ ही श्री गौरव दयाल, जिलाधिकारी, बरेली, श्री शीलधर सिंह यादव, नगर आयुक्त, नगर निगम, बरेली श्री देवमूर्ति सचिव, प्रबन्ध समिति, बरेली कॉलेज, बरेली, श्री ईशशक्ति कुमार सिंह, उपनगर आयुक्त, नगर निगम, बरेली, डा0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कॉलेज, श्री विकास सेन, सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम बरेली, श्री उत्तम कुमार वर्मा, पर्यावरण अभियंता, नगर निगम, बरेली, बरेली एवं डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

डा0 आई0एस0तोमर, महापौर, बरेली वृक्षारोपण करते हुए

श्री गौरव दयाल, जिलाधिकारी बरेली वृक्षारोपण करते हुए

इसके साथ ही महापौर जी द्वारा यह अपील की गई कि बरेली का प्रत्येक नागरिक अपने घर के बाहर एक पेड़ अवश्य लगाये और यह भी घोषणा की गई कि वृक्षो की सुरक्षा हेतु प्रत्येक घर को अपने घर के बाहर पेड़ लगाने पर एक ट्री गार्ड उपलब्ध कराया जायेगा।

- **जनचेतना रैली कार्यक्रम**–दिनांक 04 जून 2015 को सांय 5.30 बजे श्री गौरव दयाल, जिलाधिकारी, बरेली द्वारा पदयात्रा (रैली) का शुभारम्भ किया, रैली महाविद्यालय के सभागार के समक्ष से प्रारम्भ होकर कालेज के पूर्वी गेट से श्यामगंज चौराहा, कालीबाड़ी, रोडवेज, जिला अस्पताल, जिला पंचायत, चौपुला चौराहा, अय्युब खां चौराहा होते बरेली कालेज पश्चिमी गेट से कालेज में सम्पन्न हुई। जनचेतना रैली में बरेली कालेज के पर्यावरण विज्ञान के लगभग 300 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। पदयात्रा (रैली) के दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा पर्यावरण से सम्बन्धित संदेश के नारे लगाते हुए, पर्यावरण संदेश से सम्बन्धित पम्पलेट भी आम जनता को वितरित किये गये।

मा0 महापौर, जिलाधिकारी बरेली एवं नगर आयुक्त, बरेली रैली का शुभारम्भ करते हुए

सात अरब सपने, एक ग्रह, ध्यान के साथ उपयोग

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2015

पर्यावरण विज्ञान विभाग बरेली कॉलेज एवं नगर निगम, बरेली

NAAC 'A' Grade

- मिट्टी पानी हवा बचाओ घर-घर में हरियाली लाओ।
- जब तक होंगे वृक्ष धरा पर तब तक होगा जीवन सम्भव।
- वृक्षों से हम प्यार बढ़ायें अपना जीवन सफल बनायें।

- कड़ी धूप में जलते पाँव होते पेड़ तो मिलती छाँव।
- पेड़ वर्षा लाते हैं गर्मी से बचाते हैं।
- पेड़ से जो थी हरियाली घर का आँगन अब है खाली।

पर्यावरण संदेश

- सूखा, बाढ़, तापमान वृद्धि, गिरता भूजल स्तर, भू-क्षरण, भू-स्खलन तथा जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का दीर्घ कालिक समाधान वृक्षारोपण द्वारा ही संभव है। प्रत्येक आवासीय कॉलोनी में हरित पट्टी विकसित की जायें। पर्यावरणीय धारणीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रति व्यक्ति 16 वृक्ष रोपित करना जरूरी है।
- वृक्षारोपण अभियान में वृक्षों के चयन में मिट्टी की भौतिक संरचना, रासायनिक संगठन, जल की मात्रा तथा वायु एवं मृदा प्रदूषण के स्तर की जानकारी जरूरी है। प्रदूषण के प्रति सहनशील वृक्षों को ही रोपित करें। पीपल, बरगद, पाकड़, मौलश्री, जामुन, इमली, नीम, बबूल, शीशम, साल, सागोन, बेल, अमलतास, महुआ, हलदू, बैजासल, उपयुक्त हैं।
- प्रत्येक घर में जल-प्रवाहित शौचालय का निर्माण आवश्यक है। इससे खुले मैदानों तथा खेतों में शौच जाने की मजबूरी समाप्त होगी तथा प्रदूषण-जनित रोगों से बचाव होगा।
- घरों का कूड़ा-करकट कूड़ेदान में ही डालें अन्यत्र न फेंकें। प्लास्टिक तथा पौलीथीन के कचरे को अलग इकट्ठा करें। इसको सड़क पर न जलायें। इनसे उत्सर्जित धुआँ कैन्सरकारी होता है।
- नदी, तालाब, कुएं, नहर, झील आदि में स्नान करते समय साबुन अथवा डिटरजेन्ट का प्रयोग न करें। जल स्रोतों में मल-मूत्र न त्यागें।
- धूम्रपान की आदत त्यागने का आज ही से संकल्प लें। फेफड़े के कैन्सर से बचे रहेंगे। नशीले पदार्थों को त्यागने का प्रयास करें, ये रसायन लिवर, गुर्दे तथा स्नायु-तंत्र को हानि पहुँचाते हैं। पान मसाला, तंबाकू तथा सुपारी खाने से मुँह का कैन्सर होता है। इनको खाने की आदत छोड़ें। इसी में आपकी भलाई है।
- रासायनिक कीटनाशकों के स्थान पर वनस्पतियों से प्राप्त कीटनाशकों का इस्तेमाल करें। रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करें। ये भूमि को बंजर बनाते हैं।
- औद्योगिक प्रतिष्ठान अपने उत्प्रवाहों को उपचारित करने के पश्चात ही जल-स्रोतों में प्रवाहित करें। चिमनियों मे फिल्टर लगायें।
- जल, हवा, मिट्टी का संरक्षण जनमानस के अस्तित्व से जुड़ा है। इनका दोहन उसी सीमा तक करें कि खर्च तथा उपलब्धता में संतुलन न बिगड़े।
- प्रत्येक घर में वर्षा-जल संरक्षण की व्यवस्था करनी आवश्यक है। जल का अपव्यय रोकें।
- सप्ताह में एक दिन साइकिल अवश्य चलायें। नियमित ध्यान, प्राणायाम तथा योगाभ्यास करें। समस्त रोगों से मुक्ति मिलेगी। प्रतिदिन 30 मिनट घूमने से कैंसर का खतरा 50% कम होता है।

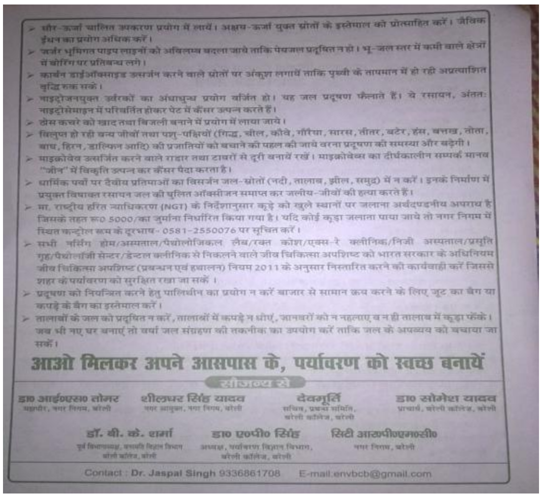

- सौर-ऊर्जा चालित उपकरण प्रयोग में लायें। अक्षय-ऊर्जा युक्त स्रोतों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करें। जैविक ईंधन का प्रयोग अधिक करें।
- जर्जर भूमिगत पाइप लाइनों को अविलम्ब बदला जाये ताकि पेयजल प्रदूषित न हो। भू-जल स्तर में कमी वाले क्षेत्रों में बोरिंग पर प्रतिबन्ध लगे।
- कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन करने वाले स्रोतों पर अंकुश लगायें ताकि पृथ्वी के तापमान में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि रुक सके।
- नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का अंधाधुन्ध प्रयोग वर्जित हो। यह जल प्रदूषण फैलाते हैं। ये रसायन, अंततः नाइट्रोसेमाइन में परिवर्तित होकर पेट में कैंसर उत्पन्न करते हैं।
- ठोस कचरे को खाद तथा बिजली बनाने में प्रयोग में लाया जाये।
- विलुप्त हो रही वन्य जीवों तथा पशु-पक्षियों (गिद्ध, चील, कौवे, गौरैया, सारस, तीतर, बटेर, हंस, बत्तख, तोता, बाघ, हिरन, डाल्फिन आदि) की प्रजातियों को बचाने की पहल की जाये वरना प्रदूषण की समस्या और बढ़ेगी।
- माइक्रोवेव उत्सर्जित करने वाले राडार तथा टावरों से दूरी बनायें रखें। माइक्रोवेव्स का दीर्घकालीन सम्पर्क मानव "जीन" में विकृति उत्पन्न कर कैंसर पैदा करता है।
- धार्मिक पर्वों पर दैवीय प्रतिमाओं का विसर्जन जल-स्रोतों (नदी, तालाब, झील, समुद्र) में न करें। इनके निर्माण में प्रयुक्त विषाक्त रसायन जल की घुलित ऑक्सीजन समाप्त कर जलीय-जीवों की हत्या करते हैं।
- मा. राष्ट्रीय हरित न्याधिकरण (NGT) के निर्देशानुसार कूड़े को खुले स्थानों पर जलाना अर्थदण्डनीय अपराध है जिसके तहत रू0 5000/का जुर्माना निर्धारित किया गया है। यदि कोई कूड़ा जलाता पाया जाये तो नगर निगम में स्थित कन्ट्रोल रूम के दूरभाष- 0581-2550076 पर सूचित करें।
- सभी नर्सिंग होम/अस्पताल/पैथोलोजिकल लैब/रक्त कोश/एक्स-रे क्लीनिक/निजी अस्पताल/प्रसूति गृह/पैथोलाजी सेन्टर/डेन्टल क्लीनिक से निकलने वाले जीव चिकित्सा अपशिष्ट को भारत सरकार के अधिनियम जीव चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबन्धन एवं हथालन) नियम 2011 के अनुसार निस्तारित करने की कार्यवाही करें जिससे शहर के पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकें।
- प्रदूषण को नियन्त्रित करने हेतु पालिथीन का प्रयोग न करें बाजार से सामान क्रय करने के लिए जूट का बैग या कपड़े के बैग का इस्तेमाल करें।
- तालाबों के जल को प्रदूषित न करें, तालाबों में कपड़े न धोएं, जानवरों को न नहलाए व न ही तालाब में कूड़ा फेंके। जब भी नए घर बनाएं तो वर्षा जल संग्रहण की तकनीक का उपयोग करें ताकि जल के अपव्यय को बचाया जा सकें।

आओ मिलकर अपने आसपास के, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें

सौजन्य से

डा0 आई0एस0 तोमर महापौर, नगर निगम, बरेली	**शीलधर सिंह यादव** नगर आयुक्त, नगर निगम, बरेली	**देवमूर्ति** सचिव, प्रबन्ध समिति, बरेली कॉलेज, बरेली	**डा0 सोमेश यादव** प्राचार्य, बरेली कॉलेज, बरेली
डॉ. बी. के. शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग बरेली कॉलेज, बरेली	**डा0 ए0पी0 सिंह** अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली	**सिटी आर0पी0एम0सी0** नगर निगम, बरेली	

Contact : Dr. Jaspal Singh 9336861708 E-mail:envbcb@gmail.com

- **निबन्ध/पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता**–दिनांक 05 जून 2015 को प्रातः 7.30 बजे बरेली कालेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग में निबन्ध/पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- **प्राकृतिक संसाधन एवं उसका संरक्षण पर कार्यशाला**–दिनांक 05 जून 2015 को प्रातः 10.30 बजे बरेली कालेज के सभागार कक्ष में एक कार्यशाला ''प्राकृतिक संसाधन एवं उसका संरक्षण'' पर आयोजित की गई उक्त कार्यशाला के मुख्य अतिथि डा0 आर0 के0 सिंह, वैज्ञानिक, केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ थे। कार्यशाला का शुभारम्भ डा0 आर0 के0 सिंह, वैज्ञानिक, केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, डा0 पी0 के0 भारती, वैज्ञानिक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली, डा0 के0 वी0 सिंह, रूहेलखण्ड विश्वविधालय, बरेली, श्री ईशशक्ति कुमार सिंह, उपनगर आयुक्त, नगर निगम, बरेली, डा0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कॉलेज, बरेली एवं डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम डा0 ए0पी0 सिंह सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया तथा तत्पश्चात् डा0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कॉलेज, बरेली प्राकृतिक संसाधन एवं उसका संरक्षण के विषय पर अपने ज्ञान एवं अनुभव को समस्त श्रोतागण से व्यक्त किया गया।

डा0 पी0 के0 भारती, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली बताया गया कि जलवायु परिवर्तन से पालतू पशुओं में जनन प्रक्रिया तेजी से प्रभावित हो रही है इसका असर मानव पर भी पड़ेगा। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कम से कम करें

तथा जैवविविधता को बचाया जाए तथा वन्य जीव संरक्षण के दिशा में उचित कदम उठाएं जाए।

डा0 आर0 के0 सिंह द्वारा बताया गया कि खेतों में डाले जाने वाला फर्टिलाइजर भी नदियों के पानी को प्रदूषित करने का बड़ा कारण है जिस कारण मछलियां भी रोगों का शिकार हो रही है और मछलियां अब खाने लायक नहीं रह गई है। डा0 सिंह ने बताया कि लखनऊ में गोमती नदी में मंछलियों पर किए गए शोध में यह खुलासा हो चुका है।

डा0 के0 वी0 सिंह, रूहेलखण्ड विश्वविधालय, बरेली द्वारा बताया गया कि जल एवं मृदा भी प्राकृतिक संसाधनों है परन्तु दिन प्रतिदिन होने वाले परिवर्तनों से कृषि योग्य भूमि का आवासीय एवं व्यापारिक परिवर्तन से प्राकृतिक संसाधनों को दोहन हो रहा है जो हमारी आने वाली पीढ़ी को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और बताया कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन नहीं रूका तो यह प्रकृति और मानव के बीच खाई इतनी गहरी हो जाएगी जो विनाश का कारण बन सकती है।

कार्यशाला के द्वौरान बुकलेट का विमोचन किया गया।

पुरूस्कार वितरण के उपरान्त में अन्त में डा0 ए0पी0 सिंह द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

आई0ई0सी0 गतिविधियों के अन्तर्गत

होर्डिंस– पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, पर्यावरण संदेश के माध्यम से बरेली के सम्मानित नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करने के लिए डा0 आई0एस0 तोमर, महापौर बरेली, श्री शीलधर सिंह यादव, नगर आयुक्त, नगर निगम, बरेली, श्री देवमूर्ति सचिव, प्रबन्ध समिति, बरेली कॉलेज, बरेली, डा0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कॉलेज, बरेली, डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली एवं सिटी आर0पी0एम0सी0 की ओर से जनसमुदाय से बरेली में 12 मुख्य स्थानों पर होर्डिंस लगाकर निवेदन किया गया ।

Location : Near Passport Office Pbt. Road, Bly Size : 20x10

Location : DD Puram, Bareilly Size : 20x10

Location : Sheel Chauraha, Bareilly Size : 20x10

Location : Chowki Chauraha, Bareilly Size : 20x10

Location : Near Phoenix Mall, Bly Size : 20x10

Location : Izzatnagar Railway Station, Bareilly Size : 20x10

Location : Green Park, Bareilly Size : 20x10

Location : Chopla Chauraha, Bareilly Size : 20x10

Location : Curicut House Chauraha, Bly Size : 20x10

Location : Dora Mod Pbt Road, Bareilly Size : 20x10

Location : Ayub Khan Chauraha, Bareilly Size : 20x10

Location : Delapeer Fal Mandi, Bareilly Size : 20x10

थीम पेन्टिंग (चौपाला चौराहे पर)– डा0 आई0एस0 तोमर, महापौर बरेली के निर्देश के क्रम में बरेली के मुख्य चौपाला चौराहे पर स्थित फलाईओवर पर पर्यावरण से सम्बिन्धत थीम पर पेन्टिंग बनाई गई है जिसका उद्देश्य जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर लोगों को जागरूक करना था।

जूट बैग वितरण–नगर निगम बरेली, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली एवं सिटी आर0पी0एम0सी0 के सयुक्त तत्वाधान में जनचेतना रैली कार्यक्रम, प्राकृतिक संसाधन एवं उसका संरक्षण पर कार्यशाला कार्यक्रम में शामिल होने वाले छात्र–छात्राओं एवं नगर निगम बरेली के कर्मचारियों को जूट बैग का वितरण किया गया जिसका उद्देश्य

''पालिथीन के उपयोग न करने से था'' व इसे के साथ ही सभी को पालिथीन के उपयोग न करने के लिए जागरूक भी किया गया ।

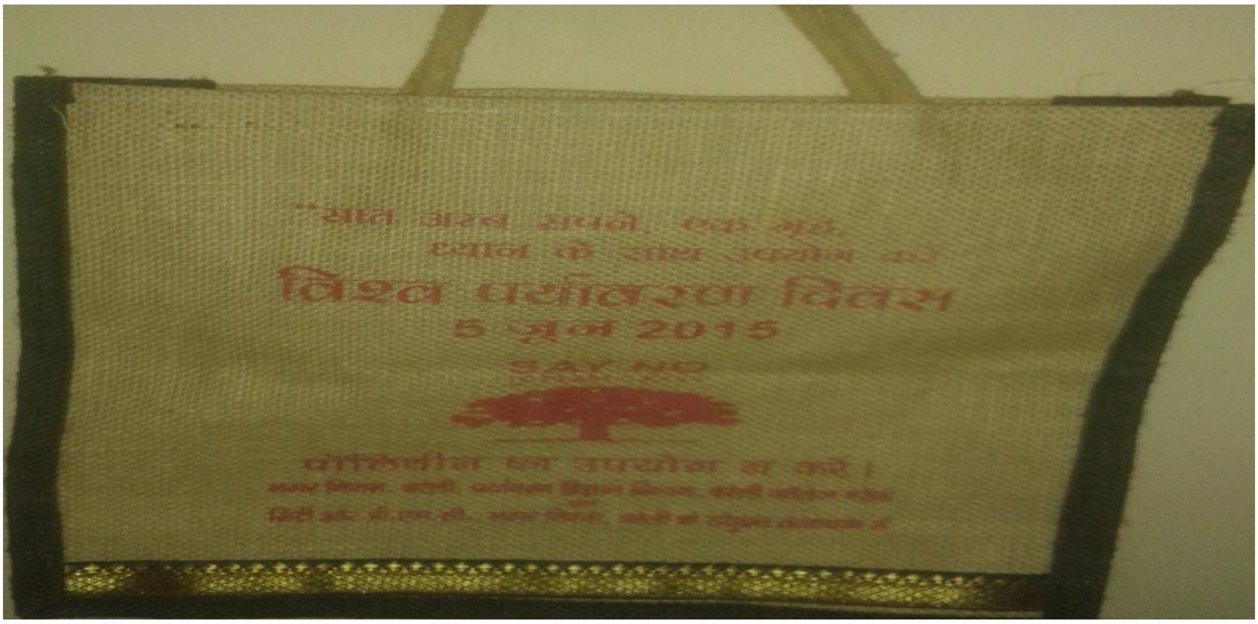

<u>पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के उपरान्त विभिन्न संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले सहयोग</u>

- डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा अवगत कराया गया कि जुलाई 2015 से जब बरेली कालेज का सत्र शुरू हो जाएगा तब पर्यावरण विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं को वार्ड आधार पर क्षेत्र देते हुए, प्रत्येक वार्ड के जनमानस को डोर–टू–डोर कलेक्शन के विषय पर जागरूक करने का कार्य किया जाएगा।

- Centre for Environment Education के श्री जितेन्द्र पटेल द्वारा भविष्य में नगर निगम, बरेली के साथ मिलकर जल संरक्षण, स्कूलों में बच्चों के साथ मिलकर ठोस नगरीय कूड़ा प्रबन्धन में, जल परीक्षण तथा नगर निगम स्तर पर स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी सहयोग किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस को सफल बनाने में निम्न अधिकरियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहाः—

- श्री ईश शक्ति कुमार सिंह, उप नगर आयुक्त, नगर निगम बरेली।
- प्रो0 आर0 बी0 सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, बरेली कालेज बरेली।
- डा0 ए0पी0 सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली।
- श्रीमती निशा मिश्रा, सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम बरेली।
- श्री विकास सेन, सहायक नगर नगर आयुक्त, नगर निगम बरेली।
- श्री आर0 के0 गौतम, लेखाधिकारी, नगर निगम बरेली।
- डा0 जसपाल सिंह, सहा0 प्रवक्ता, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कालेज बरेली।
- श्री विनय कुमार सिंह, म्यूनिसिपल फाइनेन्स एक्सपर्ट, नगर निगम बरेली।
- श्री अवनीश उपाध्याय, आई0टी0 एक्सपर्ट, नगर निगम बरेली।

(अविरल सक्सेना)
पब्लिक हैल्थ इंजीनियर / पर्यावरण विशेषज्ञ
सिटी आर0 पी0 एम0 सी0 बरेली

(उत्तम कुमार वर्मा)
पर्यावरण अभियन्ता
नगर निगम, बरेली